"चीनी भाषा-लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला एवं प्रतियोगिता"

(Workshop and Competition on Chinese Writing Scripts)

अक्टूबर 5 – 12, 2015

कार्यक्रम शीर्षक:

(1) **चीनी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला** (Workshop on Chinese Writing Script), अक्टूबर 5 – 11, 2015

(2) **चीनी लिपि-लेखन प्रतियोगिता** (Competition on Writing Script), अक्टूबर 12, 2015

संक्षिप्त प्रस्तावना: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र में सत्र 2007 - 08 से विदेशी भाषा अध्ययन संबंधित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। यह भारतवर्ष में एकमात्र जगह है जहाँ जहाँ हिंदी माध्यम से विगत लगभग एक दशक से चीनी भाषा नियमित रूप से अध्ययन हो रहा है। प्राय: यह देखा गया है कि यहां इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत अधिकतर विद्यार्थी चीन के विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर इन भाषाओं में उच्चशिक्षा प्राप्त करने की अभिलाषा व्यक्त करते हैं। साथ ही, देशी-विदेशी मल्टि-नैशनल कंपनियों में अनुवादक एवं द्विभाषिक रोजगार प्राप्ति के लिए प्रयास भी करते हैं। इस दृष्टि से इन विद्यार्थियों को चीनी भाषा संबंधी लिपि-लेखन, वार्तालाप, व्याकरण, वाक्य-संरचना आदि का गहन प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है। **"चीनी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला", "चीनी लिपि-लेखन प्रतियोगिता"** इस दिशा में एक विनम्र प्रयास है। आशा है, यह प्रशिक्षण कार्यशाला चीनी भाषा संबंधी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अनेक दृष्टया लाभान्वित करेगी।

प्रशिक्षण कार्यशाला का विषय: इस लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला में विद्यार्थियों को लगभग 100 लिपि-चिह्नों से परिचित कराया जाएगा। त्रुटिरहित लिपि-चिह्न लिखने के लिए विद्यार्थियों को लिपि का इतिहास, स्ट्रोक्स, स्ट्रोक पद्धति, रैडिकल्स आदि से परिचित कराया जाएगा।

कार्यशाला स्थल: प्रशिक्षण कार्यशाला एवं प्रतियोगिता अक्टूबर 5 – 12, 2015 को भाषा विद्यापीठ के अध्ययन कक्ष क्रमांक 4 में आयोजित की जाएगी।

कार्यशाला का समय: कार्यशाला दिनांक 5 अक्टूबर से 11 अक्टूबर, 2015 तक प्रतिदिन अपराह्न 4.30 बजे से 6.30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

प्रतियोगिता का समय: प्रतियोगिता दिनांक 12 अक्टूबर, 2015 को अपराह्न 4.00 बजे से 6.30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

भागीदारी: चीनी भाषा पाठ्यक्रम में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को इस कार्यशाला में भाग लेना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त चीनी भाषा के भूतपूर्व विद्यार्थी भी 'पहले आओ पहले पाओ' पद्धति के आधार पर इस कार्यशाला में भाग ले सकते हैं। इस कार्यशाला में कुल 25 विद्यार्थी प्रतिभागी होंगे।

निदेशक

(प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल)

भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा विद्यापीठ

संयोजक

Anirban Ghosh 29/09/2015

(अनिर्बाण घोष)

सहायक प्रोफेसर, चीनी भाषा,

भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा विद्यापीठ